

अरिवन्द गुप्ता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था (आई.आई.टी.) कानपुर से 1975 में बी.टेक. की डिग्री हासिल की। उन्होंने विज्ञान की गतिविधियों पर 15 पुस्तकों लिखी हैं, 140 पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद किया है और दूरदर्शन पर 125 विज्ञान फिल्में पेश की हैं। उनकी पहली पुस्तक मैचस्टिक मॉड्ल्स एंड अदर साइन्स एक्सपेरीमेन्टस का 12 भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ और उसकी पांच लाख से अधिक प्रतियां बिकीं। उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं जिनमें बच्चों में विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार का सर्वप्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार (1988) और आई.आई.टी. कानपुर का डिस्टिंगुइश्ड एलुम्नस अवॉर्ड (2000), विज्ञान के लोकप्रियकरण के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (2008) और थर्ड वर्ल्ड एकैडमी ऑफ साइंसिस का अवॉर्ड (2010) शामिल हैं।

वर्तमान में वे पुणे में स्थित आयुका मुक्तांगन बाल विज्ञान केन्द्र में काम करते हैं। उनकी लोकप्रिय वेबसाइट arvindguptatoys.com पर खिलौनों और पुस्तकों का एक विशाल भण्डार है।

रेशमा बर्वे ने पुणे के अभिनव कला महाविद्यालय में व्यवसायिक-कला का अध्ययन किया और उसके बाद अनेकों बाल-पुस्तकों के चित्र बनाए।

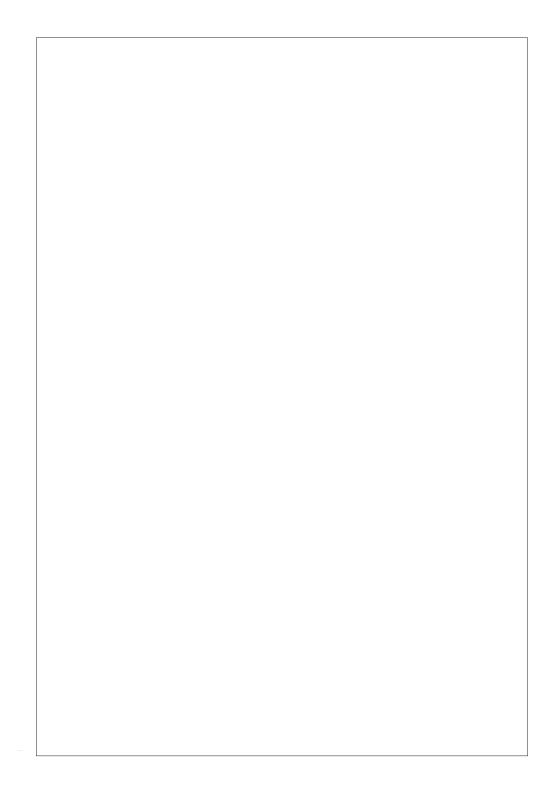


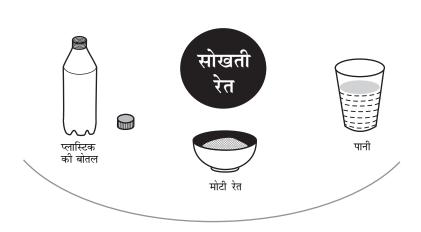


गतिविधियां

1.	सोखती रेत	
2.	बोतल में अंडा	2
3.	मोमबत्ती का झूला	3
4.	अणुओं की रचना	4
5.	चीनी डालो, प्रकाश मोड़ो	5
6.	रंग-बिरंगे नमूने	6
7.	आंख का मॉडल	7
8.	केशिका का कार्य	8
9.	ठोस तरल	9
10.	टेनसेग्रिटी ढांचे	10
11.	डोर पर संतुलित गुड़िया	12
12.	ऊंगली पर घूमता जोकर	14
13.	बोतल का थर्मस	15
14.	एनीलिंग की प्रक्रिया	16
15.	छोटा सोलर हीटर	17
16.	गर्म तवे पर मोती	18
17.	हवा का फैलाव	19
18.	चम्मचों की फिरकी	20
19.	स्ट्रा का पंखा	21
20.	पानी का टरबाइन	22
21.	पिंजड़े में चिड़िया	23
22.	कप हेलिकाप्टर	24
23.	सिंचाई की मोठ	25
24.	बोतल की थैली	26
25.	उछलता खरगोश	27

26.	एल्युमिनियम का कटोरा	28
27.	टेट्रापैक पर्स	29
28.	फिडो-डिडो जोकर	30
29.	कप की कठपुतली	31
30.	बल्ब में तितली	32
31.	अनूठी भूलभुलइया	33
32.	घूमता क्रैंक	34
33.	चढ़ने वाला ब्रश	35
34.	नाचता ब्रश	36
35.	हवा में तैरती सीडी	37
36.	धीमी गति की फिसलन	38
37.	सरल जेनेरेटर	39
38.	पंचभुज	40
39.	पंचभुज के पक्षी	41
40.	लिफाफे का चतुष्फलक	42
41.	पोस्टकार्ड की माला	43
42.	थरथराती चिड़िया	44
43.	रोबोट की ऊंगली	45
44.	गुब्बारे का फव्वारा	46
45.	पनडुब्बी	47
46.	स्ट्रा का फव्वारा	48
47.	पत्तों की बिल्ली	49
48.	जानवरों की पहेली	50

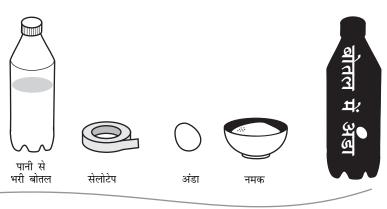




🕡 तीन-चौथाई बोतल को रेत से भरें।



दबी बोतल को उलटने पर पानी की एक बूंद भी बाहर नहीं गिरती है!!! बोतल को दबाने से
रेत का आंतरिक ढांचा
टूट जाता है। इससे रेत
के अंदर छिद्र पैदा होते हैं
जो अतिरिक्त पानी
को सोख लेते हैं।



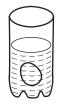
- बोतल को ऊपर से 10-सेमी दूरी पर काटें।
- अब पानी में नमक घोलें। इतना नमक डालें जिससे अंडा खारे पानी में तैरने लगे।



बोतल में नल का पानी भरें।



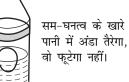
उसमें ताजा अंडा डालने पर वो डूब जाएगा।



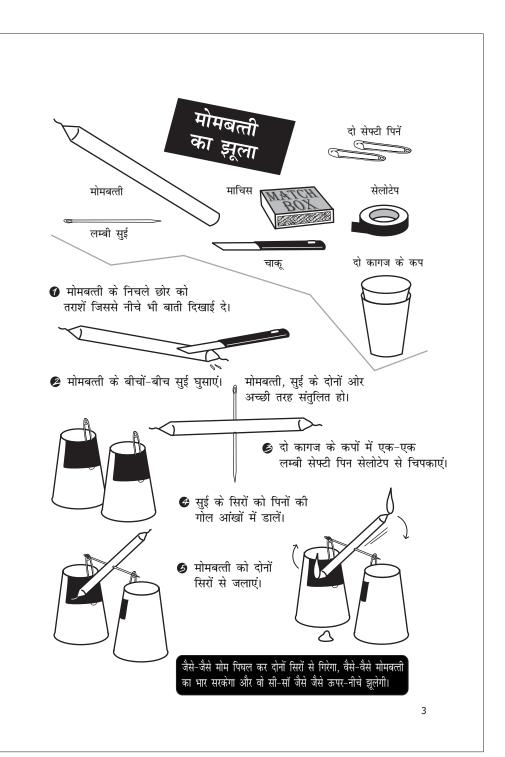
- बोतल के ऊपरी और निचले भाग को सेलोटेप से जोड़ें।
- ⊗ अब बोतल को 6-फीट की ऊंचाई से छोड़ें। अंडा फूटेगा नहीं!

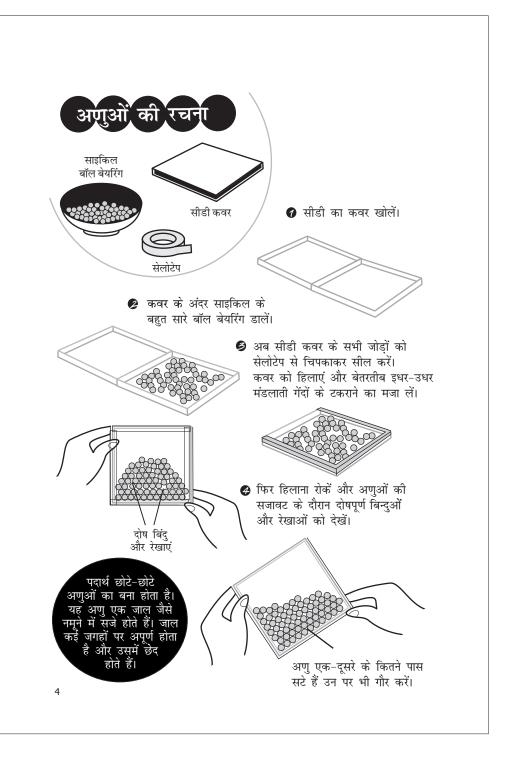






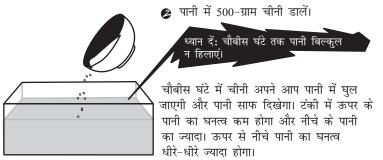
इसी तरह नन्हा शिशु भी अपनी मों के पेट में सुरक्षित रहता है। बिना नमक के इस प्रयोग को दोहराने से अंडा ऊंचाई से छोड़ने पर फूट जाएगा।



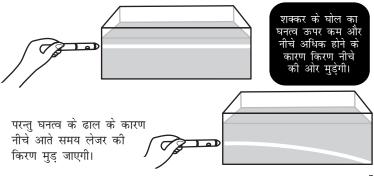




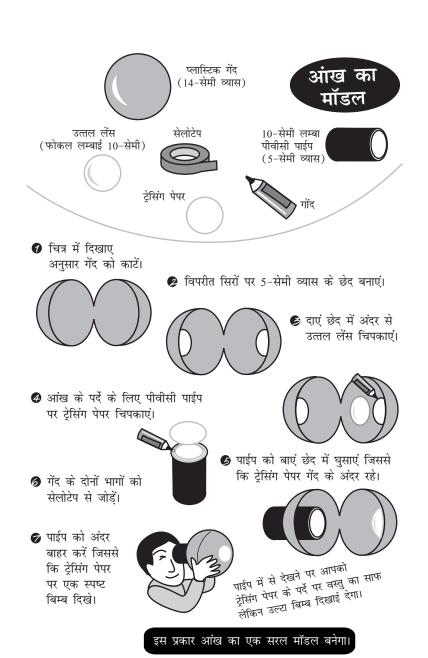
 टंकी के पानी में डेटोल की कुछ बूंदें डालें। डेटोल के कणों के कारण प्रकाश का पथ दिखाई देगा।

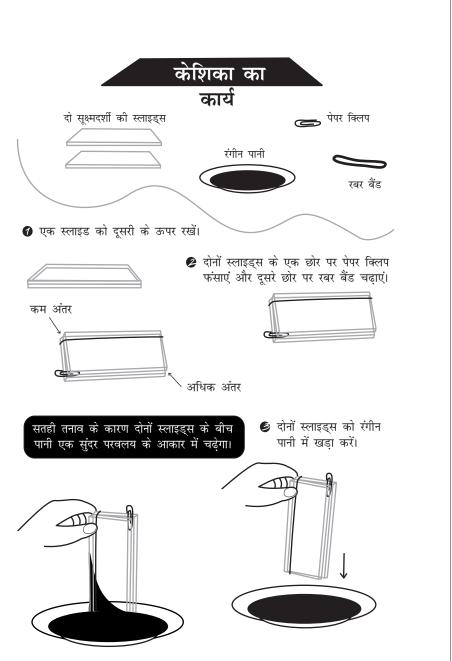


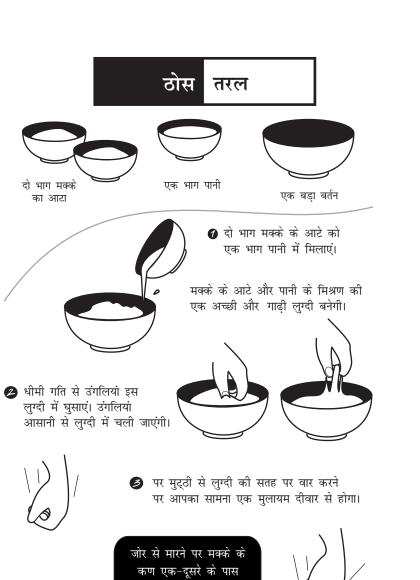
🥱 टंकी में ऊपर की ओर लेजर की किरण सीधी रेखा में चली जाएगी।







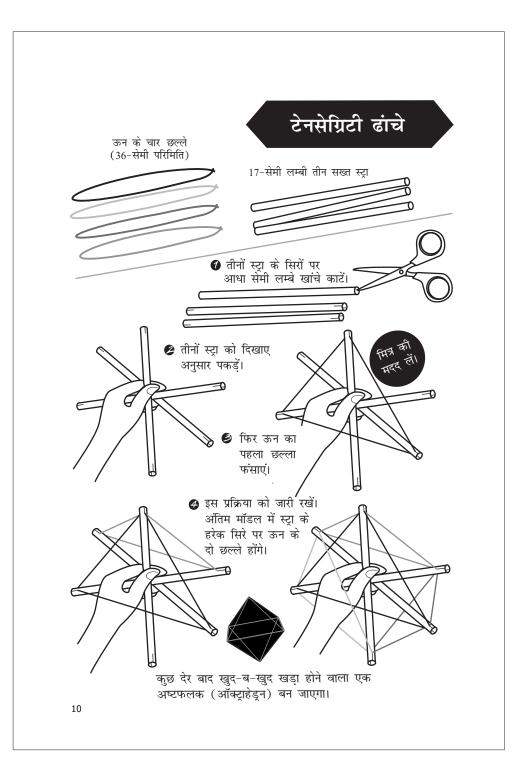


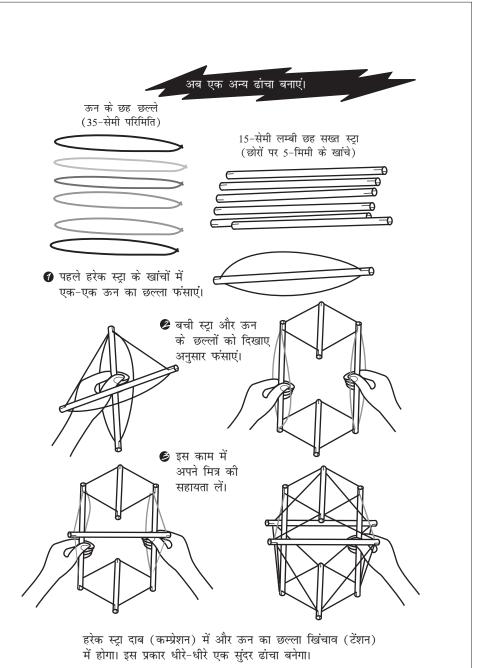


आकर सट जाएंगे। इससे लुग्दी की सतह एक मुलायम दीवार बन जाएगी।

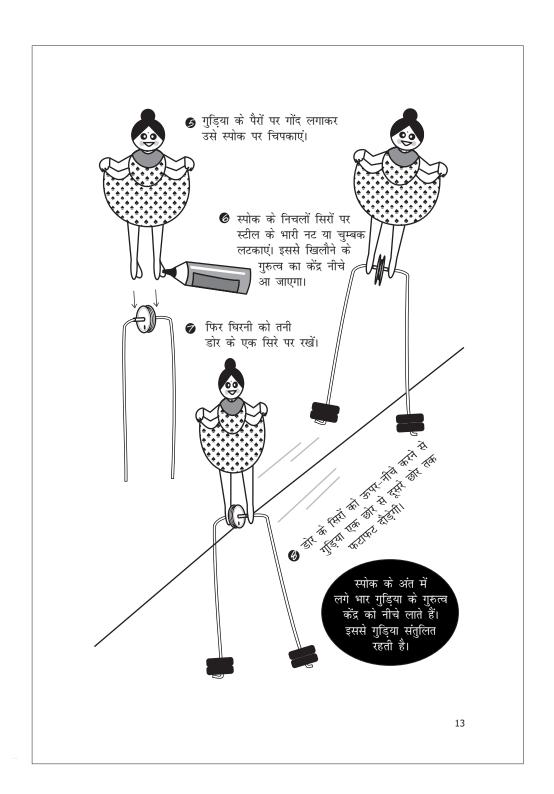
दो भाग मक्के

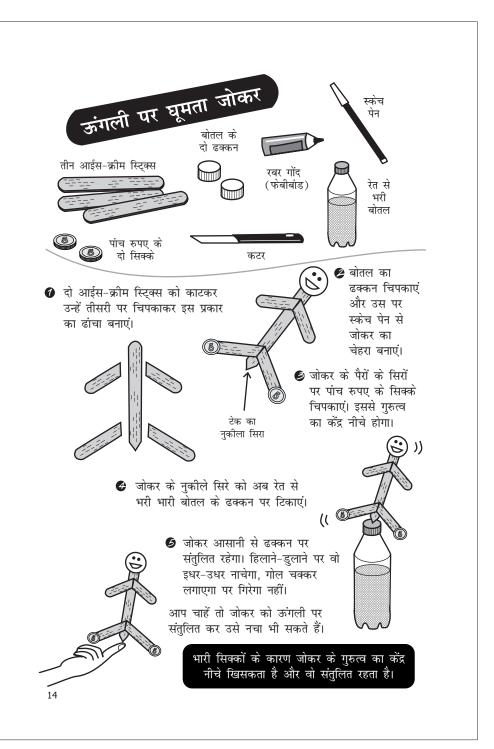
का आटा

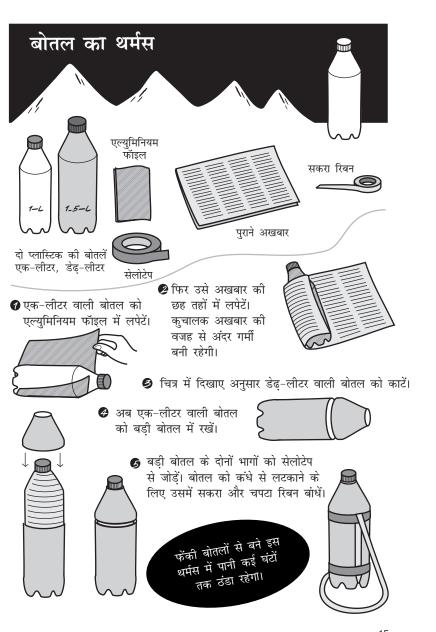






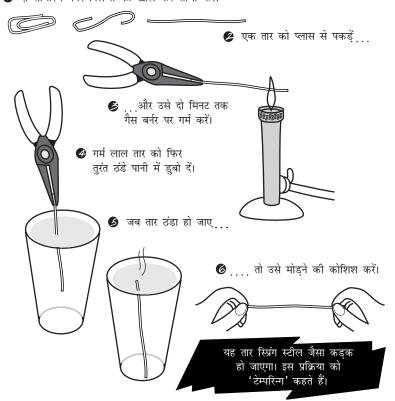








🕡 दो साधारण पेपर क्लिप्स को खोल कर सीधा करें।





छोटा सोलर हीटर

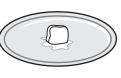




- एक जैसे दो बर्फ के घनों को बाहर धूप में रखी दो प्लेटों पर रखें।
- सिर्फ एक घन को पारदर्शी कांच के गिलास से ढकें। कुछ मिनटों के बाद दोनों घनों की जांच करें। कांच के गिलास से ढंका घन अधिक पिघलेगा।



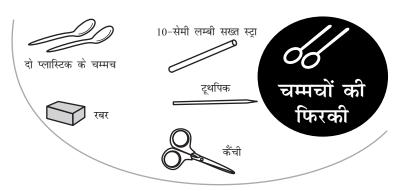
कांच का गिलास एक छोटे सोलर कुकर का काम करेगा।



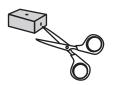




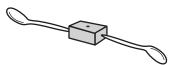




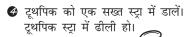
🕡 रबर में दिखाए अनुसार छेद बनाएं।



रबर में दो चम्मच फंसाएं।
 चम्मच विपरीत दिशाओं में मुड़े हों।

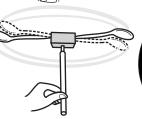


😉 अब रबर में एक टूथपिक घुसाएं।



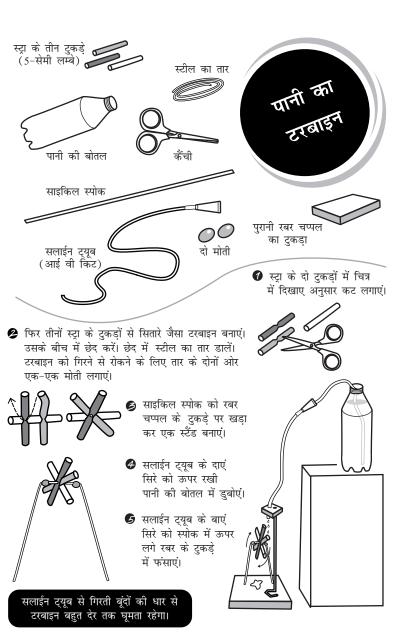


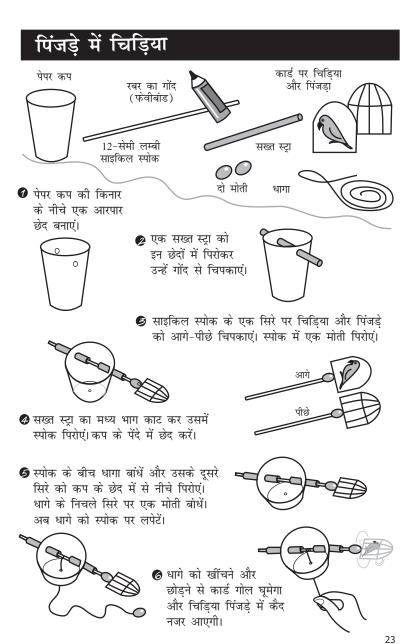
मॉडल को छत के पंखे के नीचे रखने पर वो फर-फर करके घूमेगा।



छत के पंखे की हवा चम्मचों से एक कोण पर टकराकर उन्हें घुमाती है।

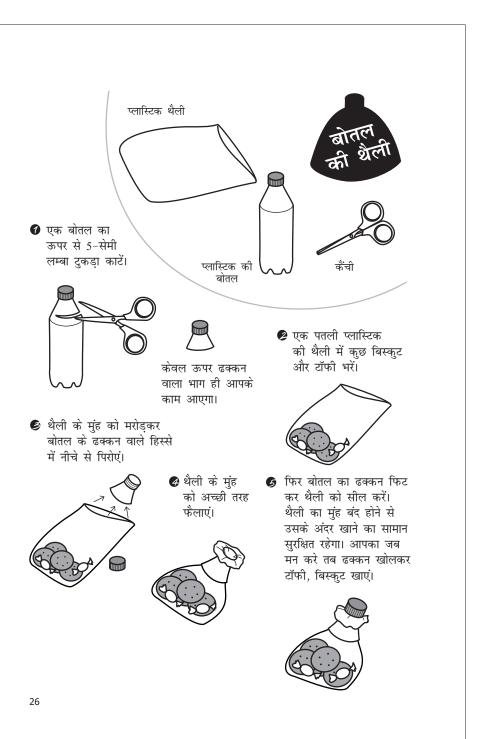


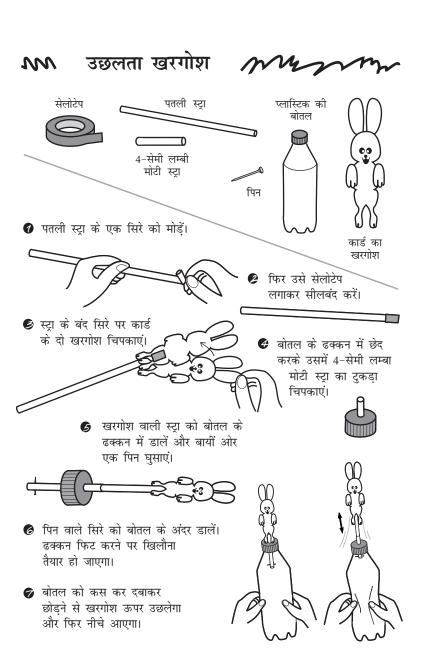


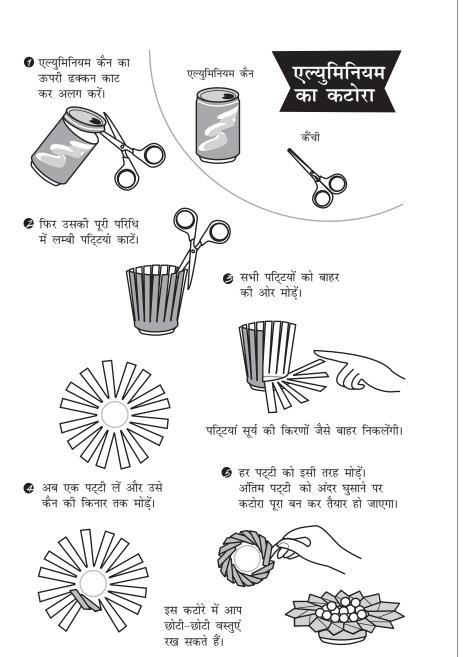


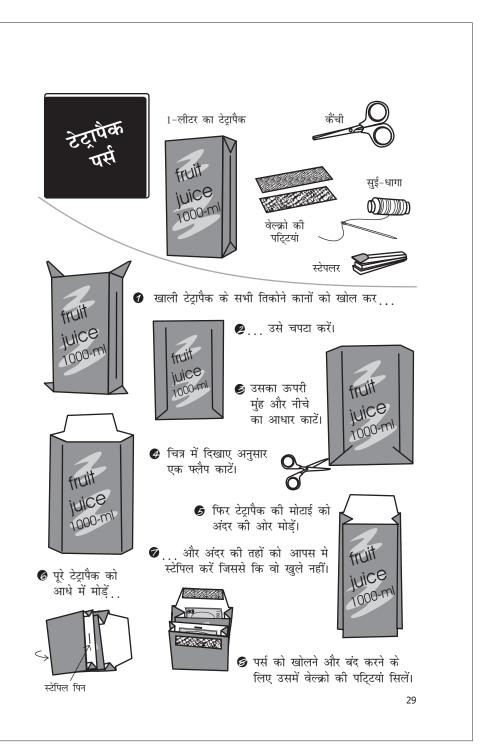


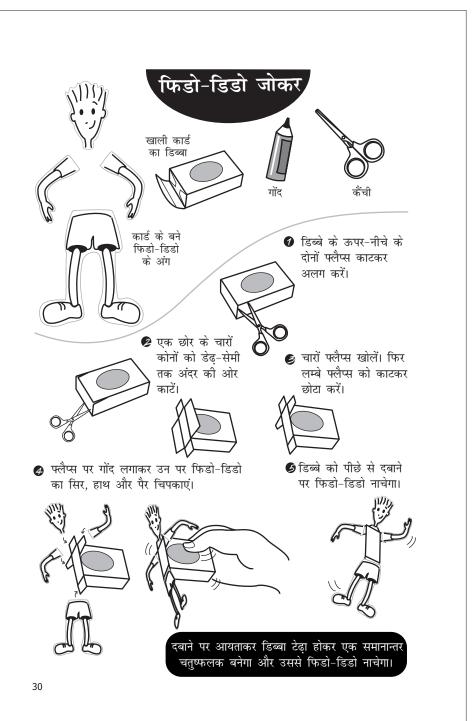








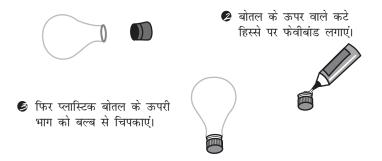








🕡 किसी बड़े व्यक्ति की सहायता से पुराने फ्यूज्ड बल्ब का आधार अलग करें।

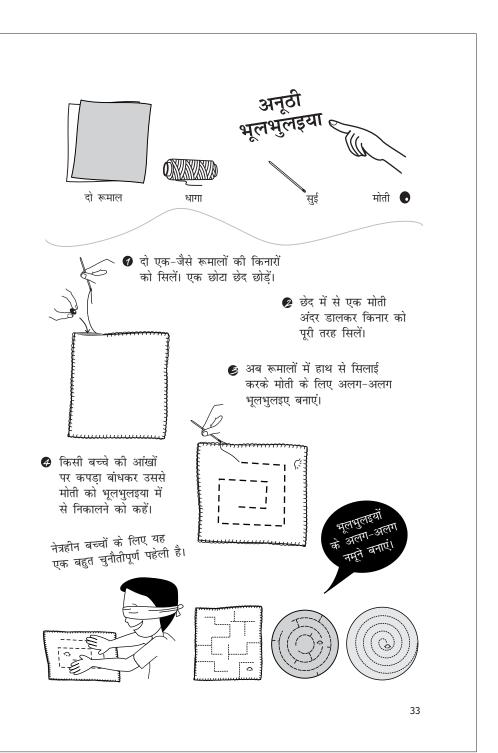


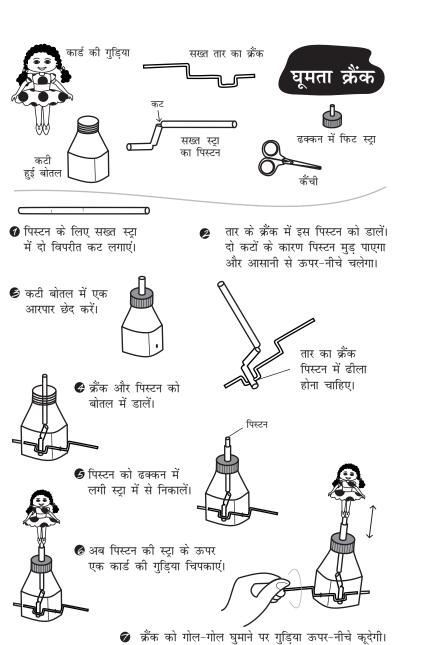
ॡ चित्र में दिखाए अनुसार प्लास्टिक की एक तितली बनाएं। टूथिपिक और गोंद की सहायता से उसे बोतल के ढक्कन के अंदर चिपकाएं।

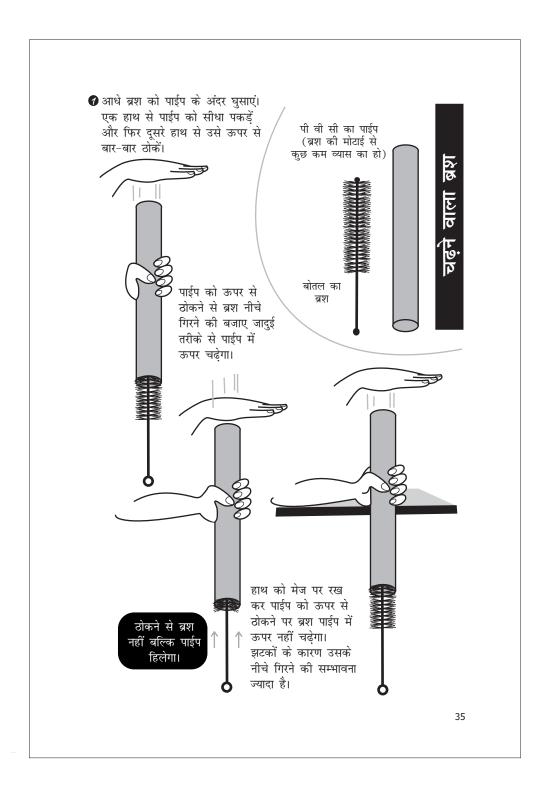


तितली के पंखों को मोड़कर उसे बल्ब के अंदर डालें। फिर ढक्कन फिट करें। बल्ब के अंदर रंग-बिरंगी तितली बहुत अच्छी लगेगी।



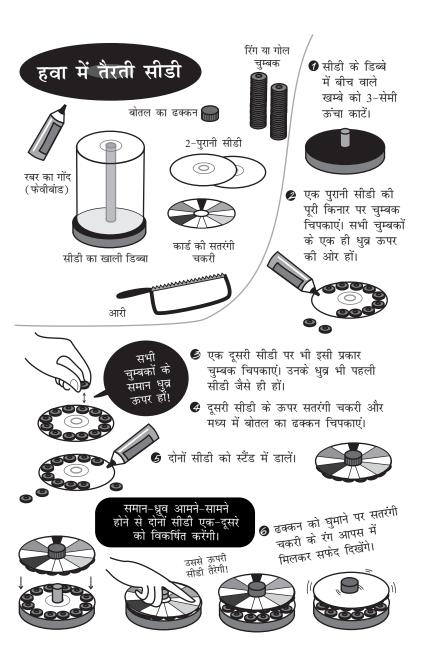






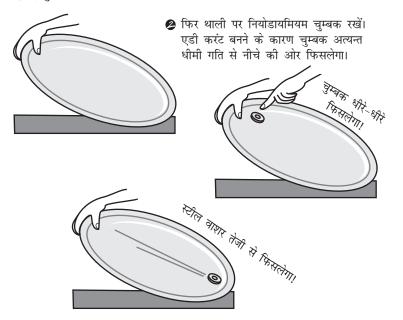






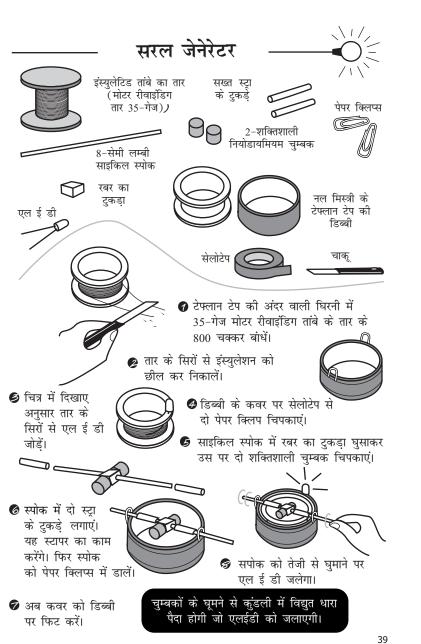


🕧 एल्युमिनियम की थाली को एक तिरछे कोण पर रखें।



🥱 इसी प्रयोग को चुम्बक के आकार के स्टील वाशर से दोहराएं।

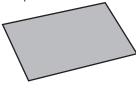
क्योंकि स्टील वाशर एल्युमिनियम की थाली में कोई एडी करंट नहीं निर्माण करेगा इसलिए वो तेज गति से नीचे की ओर फिसलेगा।

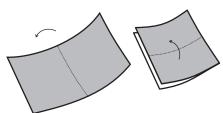






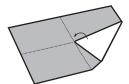






🥑 चारों कोनों को केंद्र तक मोड़ें।

🕝 फिर पूरे मॉडल को आधे में मोड़ें।







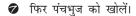
🥑 बिन्दु 'A' को मध्यरेखा तक मोड़ें जिससे रेखा AC आधार के समानांनतर हो।



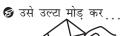




🕝 बायीं ओर भी इसी प्रकार मोड़ें।









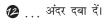




夜 फ्लैप को दिखाए अनुसार खोलें।

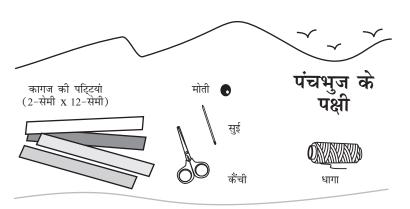
🕡 उसे भी उल्टा



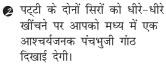






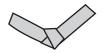


 एक लम्बी समानांतर पट्टी के दोनों सिरों को पकड़कर उनमें एक सरल गांठ लगाएं।

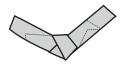


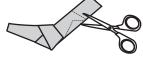






- गांठ के दोनों सिरों पर पक्षी की चोंच और पूंछ के लिए निशान लगाएं।

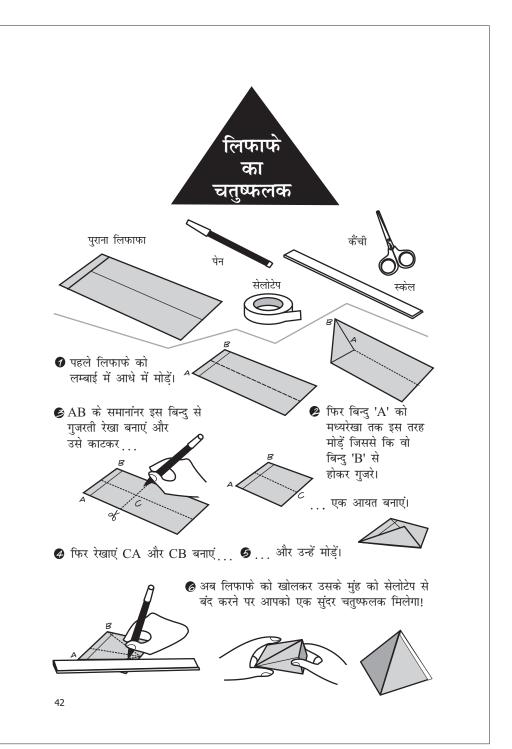


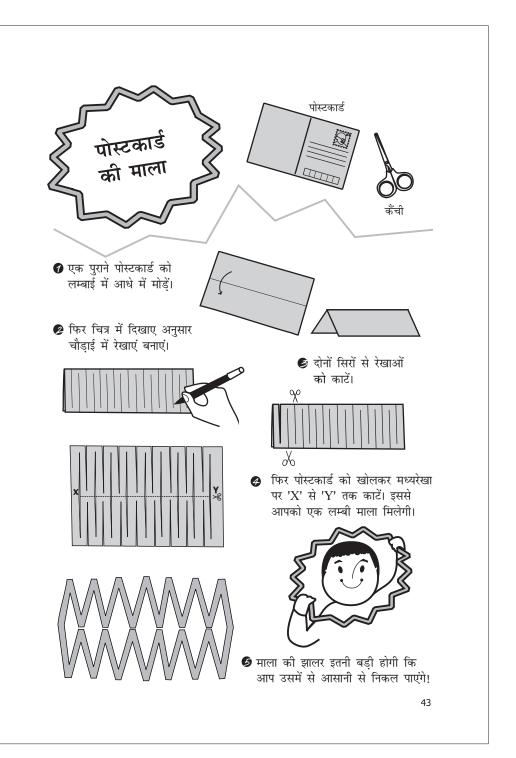


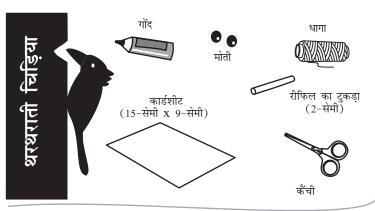
🗿 आंख की बिन्दी लगाने पर पंचभुज का पक्षी तैयार हो जाएगा।



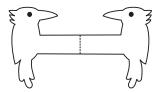
इस प्रकार के बहुत से रंग-बिरंगे पक्षी बनाएं। धागे में पिरोकर पिक्षयों की एक लम्बी लड़ी बनाएं और उसे दीवार से लटकाएं।



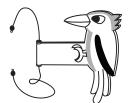




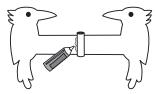
- मोटी कार्डशीट पर चित्र में दिखाया पक्षी बनाएं और काटें।
- मध्य में 2-सेमी लम्बे रीफिल के टुकड़े को खड़ा चिपकाएं।

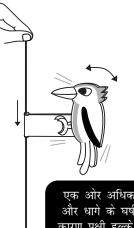


फिर चिड़िया को दोहरा करें और उसे गोंद से चिपकाएं। फिर उसे रंग कर सुंदर बनाएं।

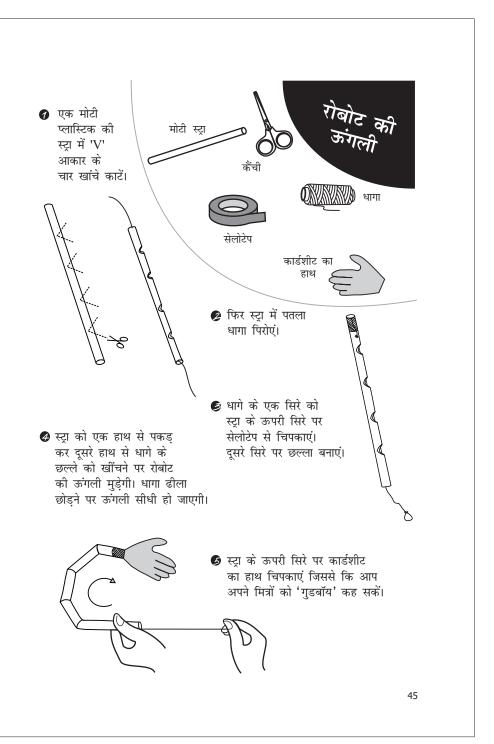


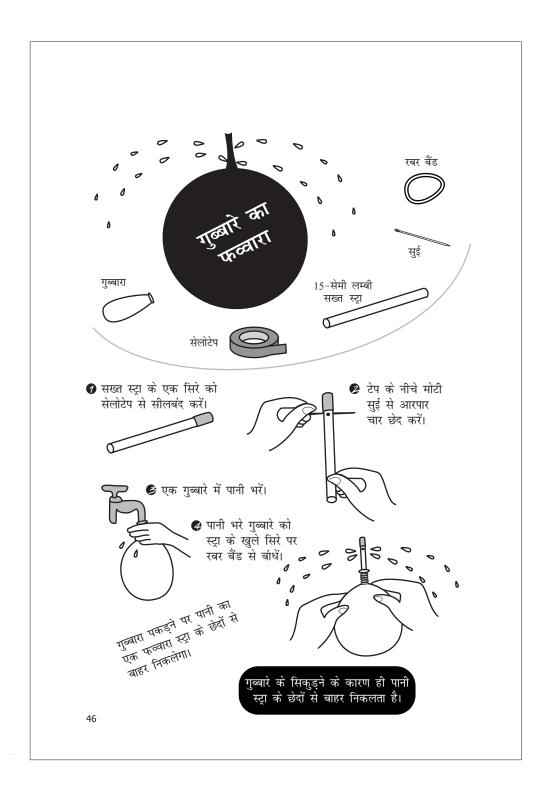
- रीफिल में धागा पिरोएं और उसके दोनों सिरों पर एक-एक मोती बांधें।
- धागे को तानने पर चिड़िया थरथराती हुई धीरे-धीरे करके नीचे आएगी।

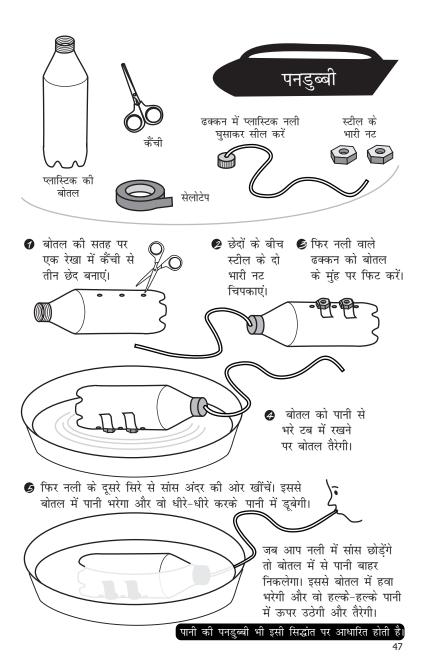




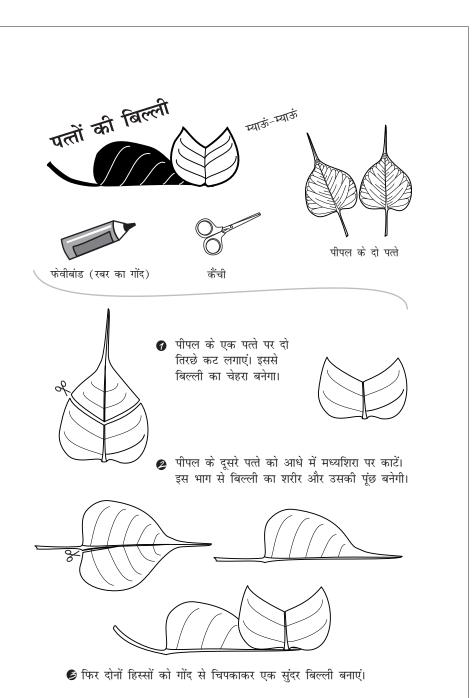
एक ओर अधिक भार और धागे के घर्षण के कारण पक्षी हल्के झटके लेता हुआ गिरता है।

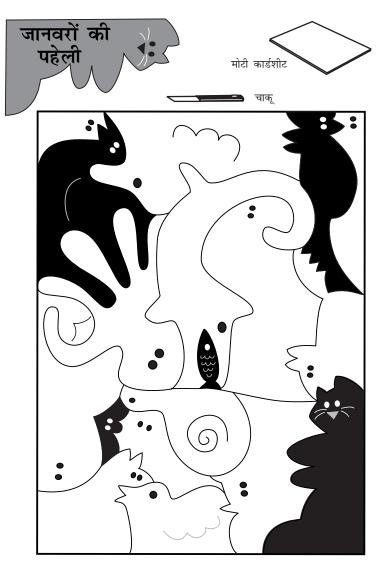












मोटे गत्ते या प्लाईवुड पर चित्र में दिखाए 18 जानवर बनाएं। फिर उन्हें चाकू या आरी से काटें। आप इन जानवरों को खड़ा करके एक चिड़ियाघर बना सकते हैं। या चाहें तो उन्हें एक-दूसरे के साथ एक आयत में जोड़ सकते हैं।



वर्तमान उपभोक्ता समाज की

'अधिक खरीदो और फेंको' प्रवृत्ति से एक विश्वव्यापी
पर्यावरण संकट पैदा हुआ है। वर्तमान समाज बहुत कचरा
पैदा करता है। आजकल पैकेजिंग का बोलबाला है। दुकानों पर
बिकने वाली हरेक चीज दो-तीन तहों में लिपटी होती है।
रोजाना करोड़ों प्लास्टिक की बोतलें, टेट्रापैक,
गत्ते के डिब्बे और फोटोकॉपी के कागज फेंके जाते हैं।
बच्चे इस कचरे को इकट्ठा करके पृथ्वी की सफाई कर
सकते हैं। इन फेंकी हुई और मुफ्त की वस्तुओं से वे
कुछ ऐसे खिलौने भी बना सकते हैं जिनसे विज्ञान
सीखने में उन्हें बहुत मजा आएगा।

